श्रीमती कमला माहेश्वरी

सदस्य–माहे0म0से0पश्चिमी उत्तर प्रदेश

प्रतियोगिता –दोहा

विषय – नारी तेरे रूप अनेक

1– ● 'वामन' सा अवतार ले, जल, थल,–नभ सब माप।
रूप गर्वमय थापती, नारि आज गुन आप।।

2– ● प्रथम गुरू हित सन्तति, माँ ममता–सौपान।
तुष्टि–पुष्टि में नारि है, सुख– सम्वर्धन खान।।

3– ● मेरूदण्ड परिवार हित, रिश्तों का सुख चैन ।
चकरी सी घूमत फिरे, दाय समझ दिन–रैन।।

4– ● बस घर तक सीमित नहीं, अब नारी विश्वास।
तज शंका सन्देह सब, हरती जग संत्रास।।

5– ● नारी जप– तप– साधना, रीति– नीति संस्कार।
यही साध्य ले साधती, संस्कृतिमय संसार।।

6– ● नारी है युग चेतना, नव सन्दर्भ – पुकार।
पकड़ नब्ज वो समय की, रही स्वयं को ढार।।

7– ● सरल तरल सम निर्झरा, काट करे चट्टान।
सींच भू–वधू बन सरित, हरित करे मैदान।।

8– ● राग भोर, भैरव – भजन, सान्ध्य – आरती गान।
समरांगन सम भैरवी, नारी देशोत्थान ।।

9– ● शिक्षाविद् बन ज्ञानदा, हरती जड़ता शिष्य।
भावी कर्णाधार सृज, गढ़ती देश– भविष्य।।

10– ● दैहिक, दैविक, भौतिकी, हो कोई भी क्षेत्र।
सकल थलों पर भेदती, नारी शफरी–नैत्र।।

11– ● सुश्रिता, सौष्ठा, कीर्तिसु, सुषमा शुचि संचार।
सुरम्य, सुगन्ध सम्वरण, सुरभि सुलेखा नार।।

12– ● तेरे रूप अनेक हैं , गिनूँ कहाँ कित बार।
महिमा नारि अनन्त है, मानक नवल हजार।।

=

शब्दार्थ– शफरी = मछली

पता– श्रीमती कमला माहेश्वरी पत्नी श्री ब्रजमहोन लाल माहेश्वरी 9/ 249, सिविल लाइन्स/ पुलिस परेड ग्राउण्ड के सामने /पुराने बड़े डाक घर वाली गली। शहर व पो0 बदायूँ। जनपद– बदायूँ। पिन कोड–243601 /**उत्तर प्रदेश** / मो0नं0– 09411468028